21. यदि कीटनाशक एवं खरपतवारनाशकों का एक साथ मिलाकर उपयोग करना हों, क्लोरएंट्रानिलीप्रोल/इंडोक्साकार्ब/ क्विनालफॉस जैसे तीन कीटनाशकों के साथ इमेथोवापायर या क्विजालोफॉप इथाईल के अतिरिक्त किसी अन्य खरपतवारनाशक के साथ मिश्रित उपयोग नहीं करें.
22. कीटनाशकों का छिड़काव तेज हवा व बारिश होने की संभवना पर विचार कर ही करें. हवा के विपरीत जाकर छिड़काव नहीं करें. रसायनों के छिड़काव के लिए सुबह या शाम का समय चुने.
23. ऐसे रसायनों का प्रयोग नहीं करें जो सोयाबीन फसल के लिए पंजीकृत/अनुशंसित नहीं हो.
24. सोयाबीन फसल की परिपक्वता/कटाई के समय रसायनों का प्रयोग नहीं करें.
25. सोयाबीन फसल पर टॉनिक (पौध उत्प्रेरक) का प्रयोग आर्थिक रूप से लाभकारी नहीं होता हैं. अतः बगैर सोयाबीन वैज्ञानिक की अनुशंसा के इसका प्रयोग नहीं करें.
26. सूखे की अनपेक्षित स्थिति में अधिक दिन तक बारिश आने की प्रतीक्षा नहीं करे. यह भी ध्यान रखे कि भूमि में दरारे पड़ने पर कदापि सिंचाई नहीं करें.
27. कटाई के समय का निर्धारण करने के लिए फलियों के रंग में बदलाव का प्रारंभ ही सही संकेत हैं ना कि पत्तियों का पीला पड़ना.
28. बीज उत्पादन के लिए उपयोगी सोयाबीन की गहाई किसी भी स्थिति 450 आर.पी.एम् से अधिक की लिनियर गति वाले थ्रेशर से नहीं करें.
29. भण्डारण करते समय सोयाबीन के नामिरोधी बोरों को प्लेटफॉर्म पर सावधानिपूर्वक रखें एवं ऊंचाई से नही पटकें।
30. भण्डारण गृह में सोयाबीन के 4 से अधिक बोरों को एक के ऊपर एक तथा दीवार से सटाकर नहीं रखे, जिससे बीज की गुणवत्ता में कमी आ सकती हैं.

सोयाबीन फसल की परिपक्वता/कटाई के समय रसायनों का प्रयोग नहीं करे

कटाई के समय का निर्धारण करने के लिए फलियों के रंग में बदलाव का प्रारंभ ही सही है

450 आर.पी.एम् से अधिक की लिनियर गति वाले थ्रेशर से नहीं करें.

कंबाइन हार्वेस्टर से गहाई

थ्रेशर से गहाई

भण्डारण गृह में सोयाबीन के 4 से अधिक बोरों को एक के ऊपर एक तथा दीवार से सटाकर नहीं रखे

सोयाबीन

सोयाबीन फसल में क्या नहीं करें

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान,
खंडवा रोड, इंदौर-452001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0731-2476188, Fax: 2470520
वेब साईट : www-iisrindore-icar-gov-in
इ मेल : director-soybean@icar-gov-in
@. dsrdirector@gmail-com

❶

सोयाबीन फसल में क्या नहीं करें?

क्या नहीं करें?

कई बार ऐसे हो जाता हैं कि समय की कमी या जानकारी का अभाव या कुछ अन्य कारणों से हमसे कुछ छोटी छोटी गलतियाँ हो जाती हैं जिससे फसल में नुकसान होता हैं. जबकि उन गलतियों को समय रहते टाला जा सकता था. लेकिन तब तक बहुत देर हो जाती हैं एवं बदली हुयी परिस्थितियों में हमारे पास सिमित विकल्प होते हैं. सोयाबीन की खेती में भी यही बात परिलक्षित हो रही हैं. कई बार जानकारी के आभाव में हमारे कृषकगण कुछ ऐसी पद्धतियाँ को अपनाते हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता. प्रस्तुत लेख में ऐसे ही कुछ 30 बिन्दुओं पर सोयाबीन कृषकों का ध्यान आकर्षित किया जा रहा हैं जिनसे दूर रहकर सोयाबीन की टिकाऊ खेती में शुन्य से लेकर न्यूनतम व्यय से अधिक लाभ पा सकते हैं.

1. अधिक पानी वाली भरने वाली भूमि या हल्की व उथली भूमि में सोयाबीन की खेती नहीं करें.
2. आवश्यकता से अधिक बार जुताई नहीं करें.
3. बीज का अंकुरण एवं बीजांकुर सुनिश्चित करने के लिए जब तक न्यूनतम 10 सेमी वर्षा नहीं हुयी हों, बोवनी नहीं करे.
4. बीज एवं उर्वरकों को मिलाकर सोयाबीन की बोवनी कदापि नहीं करें.
5. फसल बोवनी के पूर्व सूखी जमीन में कोई भी रसायन/उर्वरक नहीं डालें.
6. सोयाबीन की बोवनी किसी भी स्थिति में 5 सेमी से अधिक गहराई पर नहीं करें
7. ऐसी किस्मों की खेती नहीं करें जो स्थानीय जलवायु के अनुकूल, अनुशंसित/अधिसूचित नहीं हों.
8. बीज के आकार तथा अंकुरण जांच बगैर सोयाबीन बीज की प्रति हेक्टेयर मात्रा का निर्धारण नहीं करें.
9. अनावश्यक रूप से अधिक बीज का प्रयोग नहीं करें.
10. विशेष-अवांछित स्थिति को छोड़कर असामित अंकुरण क्षमता वाले बीज का प्रयोग नहीं करें.

❷

बीज एवं उर्वरकों को मिलाकर बोवनी कदापि नहीं करें

आवश्यकता से अधिक बार जुताई नहीं करें

नेपसेक स्प्रेयर प्रति हेक्टेयर 500 लीटर पानी से कम मात्रा का उपयोग नहीं करें

फिरोमोन ट्रैप में ल्युर को खुले हाथों से कदापि न स्थापित करें

खड़ी फसल में नत्रजन युक्त उर्वरकों का प्रयोग नहीं कर

❸

11. बीज उपचार में फफूंदनाशक-कीटनाशक द्वारा उपचारित करने से पहले जैविक कल्चर का उपयोग नहीं करें.
12. सोयाबीन में रासायनिक फफुन्दनाशक से बीजोपचार बोवनी से पूर्व में ही किया जा सकता हैं जबकि कीटनाशक एवं जैविक कल्चर से बीजोपचार बोवनी से पूर्व किया जाना उचित नहीं हैं.
13. खरीफ के मौसम के अतिरिक्त अन्य मौसम में सोयाबीन की खेती अनुशंसित/लाभकारी नहीं हैं. अतः बीना किसी विशेष कारण (बीज उत्पादन) रबी/जायद में सोयाबीन की खेती नहीं करें.
14. जून के आखरी सप्ताह में संभव होने पर बोवनी करने से अधिकतम उत्पादन मिलता है. वर्षा आधारित सोयाबीन की खेती होने से बोवनी जुलाई माह के प्रथम सप्ताह तक के समय की अनुशंसा हैं. अतः इसके बाद सोयाबीन की बोवनी नहीं करें.
15. यद्यपि रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए कुल तीन प्रकार के खरपतवारनाशकों की अनुशंसा हैं. यदि बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशक का पहले उपयोग किये जाने की स्थिति में खड़ी फसल में उपयोगी खरपतवारनाशक का प्रयोग नहीं करें.
16. सोयाबीन फसल के लिए मिलाकर उपयोग किये जाने वाले अनुशंसित खरपतवारनाशक व कीटनाशकों को छोड़कर अन्य किसी रसायनों का मिश्रित प्रयोग नहीं करें. बिना जानकारी के कृषि-रसायनों को नहीं मिलाएं.
17. फसल संरक्षण के लिए छिड़काव में पॉवर स्प्रेयर के उपयोग करते समय केवल प्रति हेक्टर 120 लीटर की मात्रा पर्याप्त होती हैं, अतः 500 लीटर पानी का प्रयोग नहीं करें. इसी प्रकार नेपसेक स्प्रेयर के उपयोग करते समय प्रति हेक्टेयर 500 लीटर पानी की अनुशंसा की गई हैं. अतः इससे कम मात्रा का उपयोग नहीं करें.
18. अधिक मात्रा में/ खड़ी फसल में नत्रजन युक्त उर्वरकों का प्रयोग नहीं करें. इससे कीटों का प्रकोप बढ़ने की सम्भावना होती हैं, साथ ही वायुमंडल से नत्रजन स्थापन करने वाले जीवाणुओं की गतिविधि बाधित होती है.
19. अधिक पौध संख्या होने से उत्पादन में वृद्धि लेना एक भ्रम हैं. कतारों की दूरी घटाकर तथा अधिक बीज दर से बोवनी नहीं करें. इससे गर्डल बीटल एवं इलियों का प्रकोप बढ़ जाता है। साथ ही पौधों की बढ़वार अधिक होने से फसल गिर सकती है। ऐसा करने से पौधों में फलियाँ भी कम लगाती है.
20. फिरोमोन ट्रैप में ल्युर को खुले हाथों से कदापि न स्थापित करें. हमेशा साफ़ कपडे, टिश्यू पेपर का उपयोग करें.